राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
[मानव संसाधन विकास मंत्रालय; भारत सरकार]
सेक्टर 26, चण्डीगढ़ - 160 019

NATIONAL INSTITUTE OF TECHNICAL TEACHERS' TRAINING AND RESEARCH
[Ministry of Human Resource Development, Government of India]
SECTOR 26, CHANDIGARH - 160 019

दूरभाष / Phones
निदेशक : 5061563 कार्यालय
2792369 Office
Director : 2794417 निवास/ Resi.
ई पी ए बी एक्स | 2759500
EPABX (0172) | 2759600
फैक्स/Fax : 0172-2791366/2793893

ISO 9001 : 2008 प्रमाणित CERTIFIED

सं0नाइटर/हि0ए0/ह-4/ 195 दिनांक: 1 JUL 2015

प्रो0 गिरीश्वर मिश्र
कुलपति
महात्मा गॉधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय
पोस्ट मानस मन्दिर, गांधी हिल्स,
वर्धा, महाराष्ट्र 442 001

विषय: राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन का आयोजन, 6-7 सितम्बर 2015

महोदय,

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, (नाइटर) चण्डीगढ़ **'राष्ट्रभाषा हिन्दी में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा - चुनौतियाँ तथा समाधान' नामक विषय पर 6-7 सितम्बर, 2015 के दौरान दो दिवसीय राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन आयोजित कर रहा है।** आयोजन का लक्ष्य **भारतीय युवा शक्ति को राष्ट्रभाषा हिन्दी में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा में प्रशिक्षित करना है ताकि युवा शक्ति विश्व जगत में बहुमूल्य मानव संसाधन के रूप में विकसित होकर स्व:रोजगार होने के साथ-साथ दूसरों को रोजगार प्रदान कर सकें जिससे राष्ट्र व समाज बेराज़गारी के बोझ से मुक्त हो पाए।**

किसी भी कार्यक्रम को तब तक पूर्ण रूप से सफल नहीं माना जाता जब तक उसमें अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता न हो। अतएव आपसे विनम्र अनुरोध है कि कृपया सम्मेलन में भाग लेने हेतु बहुतकनीकियों/इंजीनियरिंग कॉलेज़ों/संगठनों/संस्थानों/केन्द्रों से शिक्षकों/अधिकारियों को समय पर नामित करें। इससे हमें कार्यक्रम को सही तरीके से आयोजित एवं नियोजित करने में सहयोग मिलेगा। आप rakeshkwats@gmail.com तथा vinodparveen@nitttrchd.ac.in पर पत्राचार कर सकते हैं। सम्मेलन की विस्तृत जानकारी संस्थान की वैबसाईट www.nitttrchd.ac.in पर भी उपलब्ध है।

सभी आमंत्रित विशेषज्ञ जिनके लेख सम्मेलन में प्रस्तुति हेतु स्वीकार कर लिए जाते हैं, उन्हें संस्थान के नियमानुसार भोजन तथा आवास एवं यात्रा-भत्ता प्रदान किया जाएगा तथा अन्य सभी सहभागियों के लिए केवल भोजन एवं आवास की व्यवस्था की जाएगी। हमें उम्मीद है कि सम्मेलन की उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए आप ज्यादा से ज्यादा लोगों को नामित करेंगे।

सधन्यवाद।

भवदीय,
(डा0 राकेश वत्स)
प्रोफेसर प्रभारी, प्रशासन

संलग्नक/ब्रोशर

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

राष्ट्रभाषा हिन्दी में

तकनीकी एवं व्यावसायिक-शिक्षा:

चुनौतियाँ तथा समाधान

6-7 सितम्बर, 2015

1. सहभागी का नाम....................................

....

2. पदनाम तथा कार्यालय का पता

....

....

3. पत्राचार हेतु पता

....

....

4. शैक्षिक अर्हता

....

....

5. प्रोफेशनल अनुभव

....

....

दिनांक:................ सहभागी के हस्ताक्षर

प्रायोजित प्राधिकारी के हस्ताक्षर

स्थान:.................... मोहर..................

कृपया सम्पर्क करें:
डा0 राकेश वत्स, फैकल्टी प्रभारी (प्रशासन)
दूरभाष 0172-2790810 मोबाइल सं0- 9815692200
(ईमेल-rakeshkwats@gmail.com)
डा0 विनोद वासिष्ठ, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक
मोबाइल सं0 9876611958
(ईमेल-vinodparveen@nitttrchd.ac.in)

वित्तीय सहयोग

सभी राष्ट्रीय संस्थानों/एजेंसियों के आमंत्रित विशेषज्ञों जिनके लेख सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण हेतु स्वीकार कर लिए जाते हैं, को नाइटर, चण्डीगढ़ की ओर से संस्थान के नियमानुसार भोजन तथा आवास एवं यात्रा-भत्ता प्रदान किया जाएगा तथा अन्य सभी सहभागियों के लिए नाइटर, चण्डीगढ़ की ओर से संस्थान के नियमानुसार केवल भोजन एवं आवास की व्यवस्था की जाएगी।

चण्डीगढ़

संघ शासित क्षेत्र चण्डीगढ़, हरियाणा व पंजाब की संयुक्त राजधानी है। चण्डीगढ़ शहर को सिटी ब्यूटीफुल भी कहा जाता है और यह शहर रॉक गार्डन, जाकिर रोज गार्डन तथा शिवालिक पहाड़ियों की गोद में अत्याधुनिक स्थापत्यकला के लिए प्रसिद्ध है। देश के सभी महत्वपूर्ण स्थान, सड़क व रेल मार्ग इससे जुड़े हुए हैं। यहां पर्यटन विभाग के होटलों व निजी होटलों में ठहरने की अच्छी व्यवस्था है। मौसम की दृष्टि से सितम्बर महीना चण्डीगढ़ में बहुत ही सुहावना होता है।

परिवहन तथा संचार सूत्र

रेल मार्ग अम्बाला होते हुए दिल्ली, पंजाब व उत्तर प्रदेश से जुड़ा हुआ है।

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़ रेलवे स्टेशन से 6 किलोमीटर की दूरी पर तथा अन्तरराज्य बस अड्डे, सेक्टर 17 व 43 से क्रमश: 5 और 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

छ) समन्वयक दल:

पैट्रन	:	प्रो0 एम पी पूनियाँ, निदेशक
सर्वकार्य समन्वयक	:	प्रो0 राकेश वत्स, प्रोफेसर प्रभारी प्रशासन
समन्वयक	:	डा0 विनोद वासिष्ठ, वरिष्ठ हिन्दी अनुवाद
परामर्शदाता	:	प्रो0 योगेन्द्र कुमार आनन्द

कृपया सम्पर्क करें:
डा0 राकेश वत्स, फैकल्टी प्रभारी (प्रशासन)
दूरभाष 0172-2790810 मोबाइल सं0- 9815692200
(ईमेल-rakeshkwats@gmail.com)
डा0 विनोद वासिष्ठ, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक
मोबाइल सं0 9876611958
(ईमेल-vinodparveen@nitttrchd.ac.in)

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन
राष्ट्रभाषा हिन्दी में तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा-चुनौतियाँ तथा समाधान

6-7 सितम्बर, 2015

स्थान:
नाइटर, चण्डीगढ़

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
सेक्टर -26, चण्डीगढ़-160019 (भारत)
दूरभाष : ईपीबीएक्स : (0172) 2759631
फैक्स : (0172) 2791366, 2793893
Email : director@nitttrchd.ac.in;
dirnitttrchd@yahoo.com
Website : www.nitttrchd.ac.in

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

राष्ट्रभाषा हिन्दी में तकनीकी एवं व्यावसायिक-शिक्षा: चुनौतियाँ तथा समाधान

6-7 सितम्बर, 2015

स्थान: नाइटर, चण्डीगढ़

(क) प्रस्तावना

भारत ने आजादी के पश्चात् विगत छह दशकों में प्रत्येक क्षेत्र में आशातीत उपलब्धियां हासिल की हैं। इन उपलब्धियों के बावजूद भारत के 128 करोड़ लोगों में से केवल 15 प्रतिशत लोग संगठित क्षेत्र (organised sector) से लाभान्वित हुए हैं। पचासी प्रतिशत में अधिकांश लोग कम पढ़े लिखे या अशिक्षित हैं। जिसके परिणामस्वरूप ये लोग व्यावसायिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण से वंचित होने के कारण छोटे-छोटे उद्योग धन्धों से जुड़कर अपना जीवनयापन करते हैं। ऐसा माना जाता है कि यदि व्यावसायिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण को प्राथमिकता दी जाए तो देश के कामगार (निपुण होकर) अपने देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अच्छे रोजगार प्राप्त कर सकते हैं तथा एक समृद्ध राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं। देश की 60 प्रतिशत आबादी युवाओं की मानी जाती है और यदि इन्हें हम पर्याप्त प्रशिक्षण एवं शिक्षण दें तो ये विश्व जगत में बहुमूल्य मानव संसाधन के रूप में विकसित होंगे अन्यथा राष्ट्र व समाज पर बेरोजगारों के रूप में एक बड़ा बोझ बनेंगे।

इस युवा मानव संसाधन को कई योजनाकारों तथा अर्थशास्त्रियों ने ('डेमोग्राफी डिविडेण्ड) यानि स्वाभाविक युवा जनसंख्या से आर्थिक लाभ के रूप में परिदर्शित किया है लेकिन इतने बड़े "वर्क फोर्स' को प्रशिक्षित कर दक्ष बनाना एक बहुत बड़ी चुनौती है। इस वर्क फोर्स में अधिकतम लोग हिन्दी भाषी/हिन्दी को समझने वाले क्षेत्रों से आते हैं। अतः इनका उचित प्रशिक्षण हिन्दी भाषा में ही सम्भव है। इस चुनौतीपूर्ण कार्य को करने के लिए सभी व्यावसायिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण देने वाली संस्थाओं में बड़े स्तर पर अभियान चलाने तथा वास्तविक कार्यान्वयन की जरूरत है।

उपरोक्त पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (नाइटर) चण्डीगढ़ द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में चर्चा के निम्नलिखित बिन्दू होंगे:

ख) केन्द्रीय बिन्दु: सम्मेलन में विचार हेतु विषय

सम्मेलन में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआईज़),बहुतकनीकी कॉलेज़ों, तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थियों तथा 10वीं एवं उससे कम शिक्षा प्राप्त विद्यार्थियों की राष्ट्रभाषा हिन्दी के माध्यम से कौशल के पठन-पाठन की प्रक्रिया की वर्तमान स्थिति तथा इसकी सफलता/विफलता का विश्लेषण किया जाएगा और ऐसी योजनाएं प्रस्तावित की जाएंगी जिससे शिक्षा कौशल का विकास तथा इसे हमेशा सीखते रहना भारत की शिक्षा संस्कृति का हिस्सा बन जाए।

उप बिन्दु: निम्न विषयों पर लेख आमंत्रित हैं:

- आईटीआई, बहुतकनीकी कॉलेज, प्रशिक्षण केन्द्र, उद्योग इत्यादि में राष्ट्रभाषा हिन्दी का प्रयोग तथा उसका प्रभाव
- राष्ट्रभाषा हिन्दी में कौशल विकास तथा रोजगार के लिए मुद्रित (Print) तथा अमुद्रित (Non Print) अनुदेशात्मक सामग्री (Instructional Material) के लेखकों, प्रकाशकों तथा फिल्मकारों के अनुभव
- अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मातृभाषा हिन्दी में समृद्ध तकनीकी सामग्री
- डिज़िटल कॉन्टैंट को एपस वैबसाईट तथा मोबाईल पर लिखने के अनुभव
- आईसीटी का प्रशिक्षण में योगदान
- पाठ्यचर्या विकास अनुभव
- मीडिया विकास तथा प्रचार
- उद्योगों के अपने कर्मचारियों को हिन्दी में प्रशिक्षण प्रदान करने के अनुभव।

ग) सहयोगी संस्थाएं एवं विषय विशेषज्ञ

1. मानव संसाधन विकास मंत्रालय, राजभाषा विभाग।
2. मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीनस्थ स्वायत्त संस्थान एवं एनआईटीज़।
3. कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रहे तकनीकी संस्थान।
4. विभिन्न राज्यों के स्टेट बोर्ड/तकनीकी शिक्षा निदेशालयों के अधिकारी।
5. ऐसे संस्थान जो आईआईटी, बहुतकनीकी कॉलेजों तथा कौशल प्रशिक्षण केन्द्र के लिए पठन-पाठन सामग्री यथा: पुस्तकें, अभ्यास पुस्तकें, मूल्यांकन पुस्तकें आदि तैयार कर रहे हैं।
6. एआईसीटीई, यूजीसी, नैशनल बुक ट्रस्ट, नैशनल स्किल डिवल्पमेंट कार्पोरेशन के पदाधिकारी जो राष्ट्रभाषा हिन्दी में पुस्तकों के लेखन को प्रोत्साहन दे रहे हैं तथा उन्हें पुरस्कृत करते हैं।
7. पत्र-पत्रिकाओं, समाचार पत्रों में वैज्ञानिक, तकनीकी, रोज़गार से संबंधित विषयों पर सूचनाप्रद सामग्री लिखने वाले लेखक।
8. सूचना प्रौद्योगिकी, कम्प्यूटरीकरण तथा हिन्दी सॉफ्टवेयर के विकास में कार्यरत विभाग/इंजीनियर।
9. ऐसे संस्थान जो अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में व्यापार तथा तकनीकी शिक्षा में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा दे रहे है।
10. इगनू/ओपनस्कूल/एनसीईआरटी/साहित्य अकादमी/स्किल यूनिवर्सिटी/ एनजीओज़।
11. केन्द्रीय वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग।
12. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान

घ) राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यप्रणाली: राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन में निम्नलिखित कार्यप्रणाली अपनाई जाएगी:

- मुख्य वक्ता द्वारा थीम के विषय में प्रस्तुतीकरण
- विभिन्न संस्थाओं के अनुभव
- लेख प्रस्तुतीकरण
- ओपन विचार-विमर्श
- सिंडीकेट सत्र

ड.) लक्ष्य एवं स्थान

- राष्ट्रीय सम्मेलन का लक्ष्य राजभाषा हिन्दी के प्रचार प्रसार को बढ़ावा देना रहेगा
- राष्ट्रीय सम्मेलन राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, सेक्टर 26, चण्डीगढ़ 160019 में आयोजित किया जाएगा !

च) लेख प्राप्त करने की अन्तिम तिथि

कृपया अपने लेख दिनांक 10.08.2015 तक प्रभारी हिन्दी एकक, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, सेक्टर 26, चण्डीगढ़ 160019 के पास भेजें। आपके लेख की स्वीकृति की पुष्टि दिनांक 17.08.2015 तक कर दी जाएगी।